कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–002

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी.बी.के.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

सी.बी.के.जी.-002 : कालगणना की विधियाँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न पत्र में* ***दो*** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) भारतीय कालमान की वैज्ञानिकता तथा व्यावहारिकता का वर्णन कीजिए।

(ख) तिथि का स्वरूप एवं गणना विधि को समझाइए।

(ग) भारतीय कालगणना में चतुर्विध मासों का वर्णन कीजिए।

(घ) अयन को स्पष्ट करते हुए दक्षिणायन तथा उत्तरायण पर प्रकाश डालिए।

(ङ) मन्वन्तर गणना की वैज्ञानिकता तथा उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. मूर्त तथा अमूर्त काल किसे कहते हैं ? 5

3. कालगणना में करण से क्या अभिप्राय है ? 5

4. दिनमान के स्वरूप को बताइए। 5

5. राहू और केतु के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 5

6. क्षय मास किसे कहते हैं ? 5

7. देवी वर्ष से क्या तात्पर्य है ? 5

8. कालगणना में वेधशालाओं की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए। 5

9. भारतीय श्रावण मास से क्या अभिप्राय है ? 5